

# Xavier Vista

- Orientation B.Ed. 2018-2020
- UGC Peer Team Visit
- Guru Diwas
- Learning for Life (HIV/AIDS)
- Workshop on Micro-teaching
- Hindi Diwas: Essay Competition
- School Internship- II - B.Ed. 2017-2019
- School Internship - I
- College Annual Festival
- Yesu Janmotsav

## उन्मुखीकरण दिवस

नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय बी०एड० प्रवेश परीक्षा सी०इ०टी० में सफल प्रतियोगियों में से चयनित 100 प्रतिभागियों के लिए 13 अगस्त 2018 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में हुआ। नए परिवेश से उनका परिचय कराने के उद्देश्य से महाविद्यालय के रेक्टर फा. सेराफिम जॉन, प्रधानाचार्य फा० थॉमस वर्गीस तथा प्राध्यापक गण ने अपना परिचय तथा महाविद्यालय में दो साल में होने वाली विभिन्न शैक्षणिक और सह शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षुओं को येशु समाज की शिक्षा की विशेषताओं से प्रधानाचार्य ने अवगत कराया। प्रशिक्षुओं के बीच अंतःक्रिया का अवसर प्रदान कर उन्हें आपस में सहज अनुभव कराया। उन्हें विभिन्न समूह में बाँटकर अपने समूह सदस्यों के साथ चर्चा करने और अंत में सबके सामने अपने विचार रखने का अवसर दिया। इस प्रकार उन्हें घर जैसा माहौल प्रदान कर उनके स्वस्थ व्यक्तित्व विकास की शुभकामना दी।

## UGC Peer Team Visit

St Xavier's College of Education, since its inception epitomises selfless service to society as well as impart world class quality education, to produce morally conscientious, socially useful and adept teachers who could face every challenge and could succeed in the modern cut-throat competitive scenario. Recognising this very quality, UGC sent its conversant and erudite team to SXCE for verifying our request for granting autonomous status on 30th and 31st August, 2018. The three member team interacted with the principal Rev. Father Thomas Vargese on the

facilities available for research accomplishments, library facility, sports, enhancement of faculty and other executive functions. The members interacted with the students to assess their learning levels, co-curricular and extracurricular activities, learner-centric methods for enhancing learning experiences, innovation and creativity in teaching learning, internal assessment and examination management system.

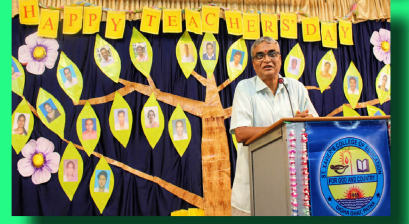
The team, after recognising the institution's quality management and excellent effort towards achieving educational goals, prepared the Peer Team Report. Based upon the report, SXCE was finally granted the autonomous status by the UGC on 11th October, 2018.





## गुरु दिवस

‘गु’ शब्द का अर्थ अंधकार और ‘रू’ शब्द का अर्थ नष्ट करनेवाला होता है। अर्थात् गुरु शिष्य के अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट कर उसे ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु - शिष्य परंपरा में शिष्य सदैव गुरु के प्रति आदर रखते हुए कर्तव्यनिष्ठता से उनके वचनों का मन, वचन तथा कर्म से पालन करता है। महाविद्यालय प्रांगण में भी 5 सितम्बर 2018 को भूतपूर्व राष्ट्रपति श्री सर्वपल्ली डॉ० राधाकृष्णन् के जन्मदिन शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु दिवस का आयोजन किया गया। गुरु और शिष्य ने अपने-अपने कर्तव्य पालन की प्रेरणा महान गुरुओं के जीवन से ली।



## जीवनशिक्षा : एच०आई०वी० / एड्स जागरूकता

8 सितम्बर 2018 को जीवन शिक्षा : एच०आई०वी०/ एड्स जागरूकता लाने हेतु एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन महाविद्यालय सभागार में किया गया। डॉ० मधु सिंह महाविद्यालय प्राध्यापिका द्वारा सर्वप्रथम ‘जीवन ईश्वर का एक अनमोल देन’ संबंधित चर्चा की गई। सेमिनार को आगे बढ़ाते हुए पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (पी०एम०सी०एच०) के डॉ० अजय कृष्णा ने एच०आई०वी० तथा एड्स के बीच अंतर बताते हुए उसके होने के कारणों पर विस्तृत चर्चा की। ‘Know AIDS for no AIDS’ अर्थात् जानकारी ही इस बीमारी से बचने का उपाय है इसलिए उन्होंने प्रशिक्षुओं को रोचक अंतःक्रिया माध्यम से जानकारी देने का सफल प्रयास किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं के मन में उठे प्रश्नों का भी समुचित उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। प्रशिक्षुओं ने प्राप्त जानकारी अपने छात्रों को देने तथा सुरक्षित जीवन जीने की प्रेरणा ली।





## सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला

संत जेवियर्स कॉलेज ऑफ एडुकेशन के बी०एड० 2018 - 2020 के प्रशिक्षुओं के लिए तीन दिवसीय सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम दिन सूक्ष्म शिक्षण और सामान्य शिक्षण में अंतर स्पष्ट करते हुए सूक्ष्म शिक्षण का परिचय डॉ० मधु सिंह द्वारा दिया गया। स्मार्ट विशिष्ट उद्देश्यों की विशेषता का वर्णन फा० विक्टर ओस्ता एस०जे० ने किया। किसी भी पाठ को विभिन्न रोचक तरीकों से कैसे शुरू किया जा सकता है इससे संबंधित विषयों के पाठों का उदाहरण श्रीमती सपना सुमन ने दिया। प्रशिक्षुओं ने अपनी विधि कक्षाओं में जाकर विधि शिक्षकों के मार्गदर्शन में विशिष्ट उद्देश्य लिखने तथा पाठारंभ करने का अभ्यास किया। दूसरे दिन की शुरुआत ब्लूम के वर्गीकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ० मधु सिंह ने की। प्रधानाचार्य फा० थॉमस वर्गीस ने प्रश्न पूछने की तकनीक पर विस्तृत चर्चा उदाहरणों के माध्यम से की। प्रशिक्षुओं ने अपनी विधि कक्षाओं में प्रश्न बनाने और पाठारंभ करने का अभ्यास किया। तीसरे दिन की शुरुआत श्रीमती सुजाता कुमारी द्वारा उद्दीपन वैभिन्नता के विभिन्न तरीकों की चर्चा के साथ हुई। कक्षा में छात्रों का ध्यान पाठ की ओर आकर्षित करने के लिए शिक्षक क्या-क्या कर सकते हैं इसकी जानकारी प्रशिक्षुओं ने प्राप्त की। छात्रों को कक्षा में प्रोत्साहित करते हुए सीखने की ललक बढ़ाने हेतु पुनर्बलन कौशल की जानकारी श्रीमती स्मिता पास्कल ने दी। जैसे कोई योद्धा युद्ध क्षेत्र में अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित होकर जाता है वैसे ही शिक्षक कक्षा में अस्त्र-शस्त्र रूपी कौशल से शिक्षण सहायक सामग्रियों को अपने साथ ले जाते हैं, इसकी जानकारी डॉ० विक्रमजीत सिंह ने दी। कक्षा में शिक्षक के मित्र श्यामपट्ट के समुचित प्रयोग की जानकारी फा० इग्नाशियुस टोपनो एस०जे० द्वारा दी गई। किसी भी पाठ को समाप्त करने के कौशल संबंधित चर्चा श्रीमती विजय श्री ने की। प्रशिक्षुओं ने तीन दिनों में सूक्ष्म शिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत सीखे गए विभिन्न शिक्षण कौशलों का अभ्यास अपनी विधि कक्षाओं में जाकर किया। उन्होंने पाँच मिनट का पाठ तैयार कर एक-एक कौशल का क्रम से अभ्यास किया।



### Hindi Diwas

Hindi was declared the official language on 14th September, 1949 by the constituent Assembly of India. In order to revere and uphold the significance of the Hindi language 14th of September is annually observed as 'Hindi Diwas'. This day was celebrated with great enthusiasm in SXCE. This year an essay competition was organised for the B.ed students. The topic of the essay was 'Strength is Life, Weakness is Death'. The students vivaciously participated in the competition. The winners of the competition were Masun Anshu, Jitesh Kumar and Saurab Kumar in Hindi language and Kriti Rani, Mamta Prasad and Lata Kujur in English language.

### द्वितीय - विद्यालयी प्रशिक्षुता : शिक्षणाभ्यास

सिद्धांत और प्रयोग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दो वर्ष के बी०एड० सत्र 2017 - 2019 के प्रशिक्षुओं ने महाविद्यालय प्रांगण में जो भी सीखा उसके प्रयोग करने का अवसर देने हेतु उन्हें पटना के विभिन्न सरकारी, निजी तथा मिशनरी विद्यालयों में महाविद्यालय शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षुता के लिए 24 सितम्बर 2018 से 5 दिसम्बर 2018 तक भेजा गया। उन्होंने पाठ योजना तथा शिक्षण सहायक सामग्री के साथ कक्षा में शिक्षण कौशलों का अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों में करना सीखा। शिक्षक के रूप में उनका आत्मविश्वास बढ़ाने तथा शिक्षण कौशलों को आत्मसात कराने में शिक्षणाभ्यास सफल रहा।

### प्रथम - विद्यालयी प्रशिक्षुता : विद्यालय अवलोकन

बी०एड० (2018 - 2020) के प्रशिक्षुओं को विद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराने हेतु 29 अक्टूबर 2018 से 17 नवम्बर 2018 तक विद्यालयी प्रशिक्षुता कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय द्वारा किया गया। इसके तहत प्रशिक्षुओं को विभिन्न सरकारी, निजी तथा मिशनरी विद्यालयों में विद्यालय अवलोकन हेतु भेजा गया। प्रशिक्षुओं ने विद्यालय के नियमित शिक्षकों तथा अपने वरीय बी०एड० प्रशिक्षुओं की कक्षा का अवलोकन कर शिक्षण कौशलों का व्यावहारिक प्रयोग करना सीखा। उन्होंने नियमित शिक्षक के स्थान पर कक्षा संचालित करने का प्रयास नियमित शिक्षक और महाविद्यालय शिक्षक के मार्गदर्शन में किया। विद्यालय की पूरी व्यवस्था तथा

गतिविधियों का निरीक्षण कर उन्होंने रिपोर्ट तैयार किया तथा भाग लिया। समस्याग्रस्त छात्र की समस्या को पहचान कर उसका समाधान करने का प्रयास व्यक्तिगत अध्ययन द्वारा किया। बी०एड० के प्रथम वर्ष में विद्यालयी अवलोकन से प्रशिक्षुओं का शिक्षण व्यवसाय के प्रति उत्साहवर्धन हुआ।

### महाविद्यालय वार्षिकोत्सव

संत फ्रांसिस जेवियर के तिरोभाव दिवस 3 दिसम्बर के उपलक्ष्य में इस साल महाविद्यालय वार्षिकोत्सव का आयोजन महाविद्यालय प्रांगण में किया जाता है। 3 दिसम्बर 2018 को इस अवसर पर संत फ्रांसिस जेवियर के जीवन से प्रशिक्षुओं को परिचित कराया गया। संत फ्रांसिस जेवियर ने अपने विद्या अध्ययन के दौरान ही संत इगनासियुस के प्रेरित वचन; 'उस मनुष्य को क्या लाभ जिसने सारे संसार को तो पा लिया पर अपनी आत्मा को खो दिया' से प्रेरणा लेकर अपने आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत की। वे अंत समय तक ईश्वर तथा मानव सेवा हेतु समर्पित रहे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान का स्मरण कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने का प्रयास प्रशिक्षुओं ने किया।

### Yesu Janmotsava

December comes along with the great joy of Christmas celebrations, a time of benevolence and compassion; a time to accomplish the blessings of life by reaching out to someone less privileged than yourself. Yesu Janmotsava is celebrated with great enthusiasm in SXCE. This year it was celebrated on 22nd of December. Both the departments of the college M.Ed. and B.Ed. joined together to celebrate this day. The programme began with an evocative prayer service thanking god for all the blessings received throughout the year 2018.

Father Principal, Dr. Thomas Varghese and the faculty members of the college came forward to light the ceremonial lamp in front of the beautifully adorned crib. A short and expressive skit depicting the real message of Christmas was presented by the B.ED. students. It was based on social theme showing Jesus Christ becoming the source of salvation to all. It was followed by Christmas carols in different languages like English Hindi, Bhojpuri, Sadari.



## महाविद्यालय वार्षिकोत्सव



## Yesu Janmotsava

